Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्॥

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Brief Report

Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

Name of the Project Undertaken	Gender	
Academic Session	2019-20	
Organizing Department/ Committee	Sociology Department	
Total Number of Students Participated in the Project	20	
Brief Report	The Project entitled **Gender** was undertaken by the **Department of Sociology** during the session of 2019-20 under the guidance of Internal Quality Assurance Cell of the Institution. Total – students participated in the project activity and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work.	
Criterion :1	Metric no-1.3.3	
Signature of Co-Ordinator	Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator	Signature of & Stamp of Principal

Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्।।

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित

(Regd. under Societies Act. XXI)

जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Students Information

S.N.	Name of Student	Program	Class
1	Anamika R. Ramteke	B.A.	B.A.I
2	Aarti R. Sahu	B.A.	B.A.I
3	Ankita M. Wasnik	B.A.	B.A.I
4	Chandani S. Pandey	B.A.	B.A.I
5	Diksha D Rangari	B.A.	B.A.I
6	Jyoti A. Mishra	B.A.	B.A.I
7	Khushboo S. Bairisal	B.A.	B.A.I
8	Mahima R. Karwade	B.A.	B.A.I
9	Meenal Vishal waghmare	B.A.	B.A.I
10	Nikita Sultansingh	B.A.	B.A.I
11	Pinky S. Khadse	B.A.	B.A.I
12	Pooja S. Bhagat	B.A.	B.A.I
13	Roshni Jafer Ahmad Khan	B.A.	B.A.I
14	Saranga Natthu Mankar	B.A.	B.A.I
15	Shefali S. Nandeshwar	B.A.	B.A.I
16	Shilpa I. Sahahare	B.A.	B.A.I
17	Shivani S. Pandey	B.A.	B.A.I
18	Shweta siddhart Patil	B.A.	B.A.I
19	Stuti Sharad Tiwari	B.A.	B.A.I
20	Trupti S. Pal	B.A.	B.A.I

Seen

Name :- Anamika . R. Ramteke

Year :- 2019 - 2020

Class :- B. A 1st Year

Topic Name :- लिंग - जेंडर

College :- Dayanand Arya kanya Mahavidyalaya .

ओ३म्

ARYA VIDYA SABHA'S

DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA

Jaripatka, Nagpur.

'' Dr. Babasaheb Ambedkar:- Criticism of Caste

Organised By

Department of Sociology

CERTIFICATE

This is to certify that Ku. Anamika R. Ramteke

Student Of ***B.A I*** participated in *Gender* from October 2019 to Nov 2020.

Co-Ordinator	Principal
Ms. Divya H. Parekar	Dr. ShraddhaAnilkumar
Dept. of Sociology	DAKM, Nagpu
DAKM, Nagpur	

Project Copy

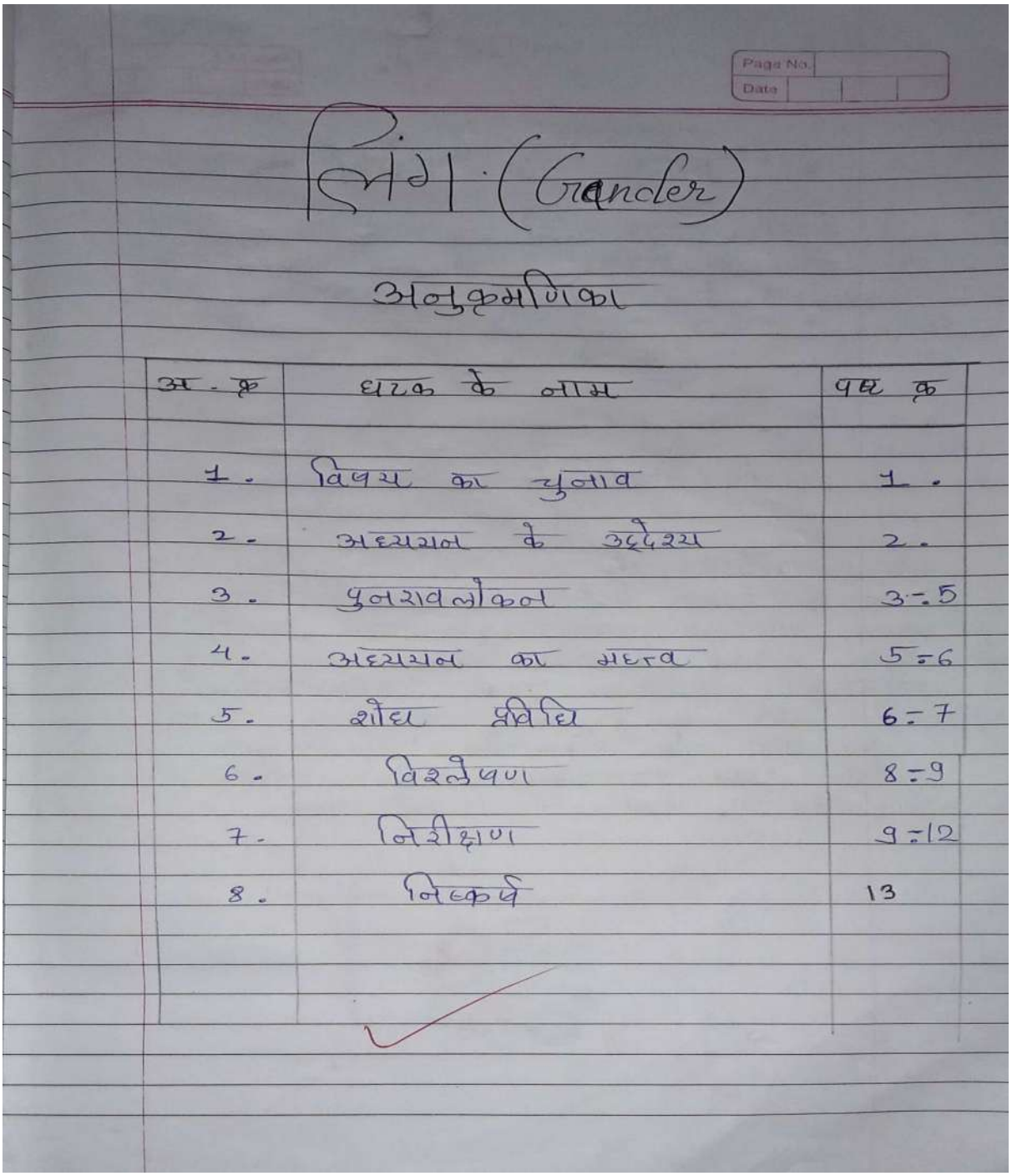

लिंग (Gender)

अनुक्रमणिका

अ. क्र	घटक के नाम	पृष्ठ क्र
1.	विषय का चुनाव	1.
2.	अध्ययन के उद्देश्य	2.
3.	पुनरावलोकन	3-5
4.	अध्ययन का महत्व	5-6
5.	शोध प्रविधि	6-7
6.	विश्लेषण	8-9
7.	निरीक्षण	9-12
8.	निष्कर्ष	13

लिंग

Page
Date

* विषय का चुनाव *

हिंदी व्याकरण में लिंग बहुत महत्वपूर्ण है। जिस संज्ञा शब्द का से व्यक्ति की जाति का पता चलता है उसे लिंग कहते हैं। इससे यह पता चलता है। उसे लिंग कहते हैं। इससे यह पता चलता है की वह पुरुष जाति का है। उदाहरण के लिए :- पुरुष जाति में = मोहन लड़का, शेर, घोड़ा, दरवाजा, पिता, भाई आदि। और स्त्री जाति में = मोहिनी, लड़की, घोड़ी, अलमारी माता बहन आदि। तो चलिए देखते हैं। लिंग के भेद और उदाहरण।

इस लेख में हमलोग जानेंगे कि लिंगानुपात किसको कहते हैं? लिंगानुपात क्या है? इसको अध्ययन करने का पीछे क्या उद्देश्य होता है? इसका मापन या निर्धारण कैसे किया जाता है? लिंगानुपात कितने प्रकार के होते हैं? इसको प्रभावित करने वाले कौन-कौन से कारक हैं? इन्ही सभी प्रश्नों का उत्तर अगले कुछ मिनटों में जानने का प्रयास करेंगे।

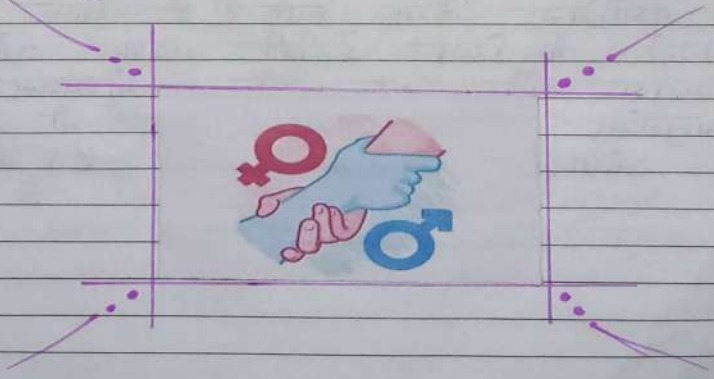

Project Copy

2

Page No.
Date

• अध्ययन के उद्देश्य •

उद्देश्य एवं विधियाँलेख में तर्क दिया गया है। कि लिंग एकअध्ययन एक व्याख्या के रूप में कार्य करता हैलिंग के अध्ययन के लिए टोरी माड्यूलआर। यह साई हैध वह यहपाठ्यक्रम को टी के लिए सीखने का एक मंच माना जा सकता हैवह सीखने की प्रक्रिया है। शीका लेख इस बात पर गौर करता है कि लिंग कैसे हैपढ़ाई इम्पोर्टेन्ट हैसीखने की प्रक्रिया में नही और विभिन्न तरीकों से छात्रों के लिए उपयुक्त गुणों का विकास करना। लेख को तिन प्रमुख अनुभागों में विभाजित किया गया है। पहला खंड लिंग की कुछ महत्वपूर्ण सामग्रीयों का विश्लेषण करता है अध्ययन और सीखने की प्रक्रिया पर इसका प्रभाव। लेख कुछ जैसे घटकों पर ध्यान केंद्रीत करता है। जिनमें एक हो सकता सीखने की प्रक्रिया पर भारी प्रभावएनजी और विकास उचित हो छात्रों के बीच व्यवहार • सेयहदृष्टिकोण, एक लघु अनुसंधान आयोजित किया गया है छात्र की जांच करने के लिए इडीकी धारणा और समझ और यह पूर्ण कार्यान्वयन • कुछ अनुशंसा करते हैसंशोधन भी शोधकर्ता के आधार पर किए जाते है।

Project Copy

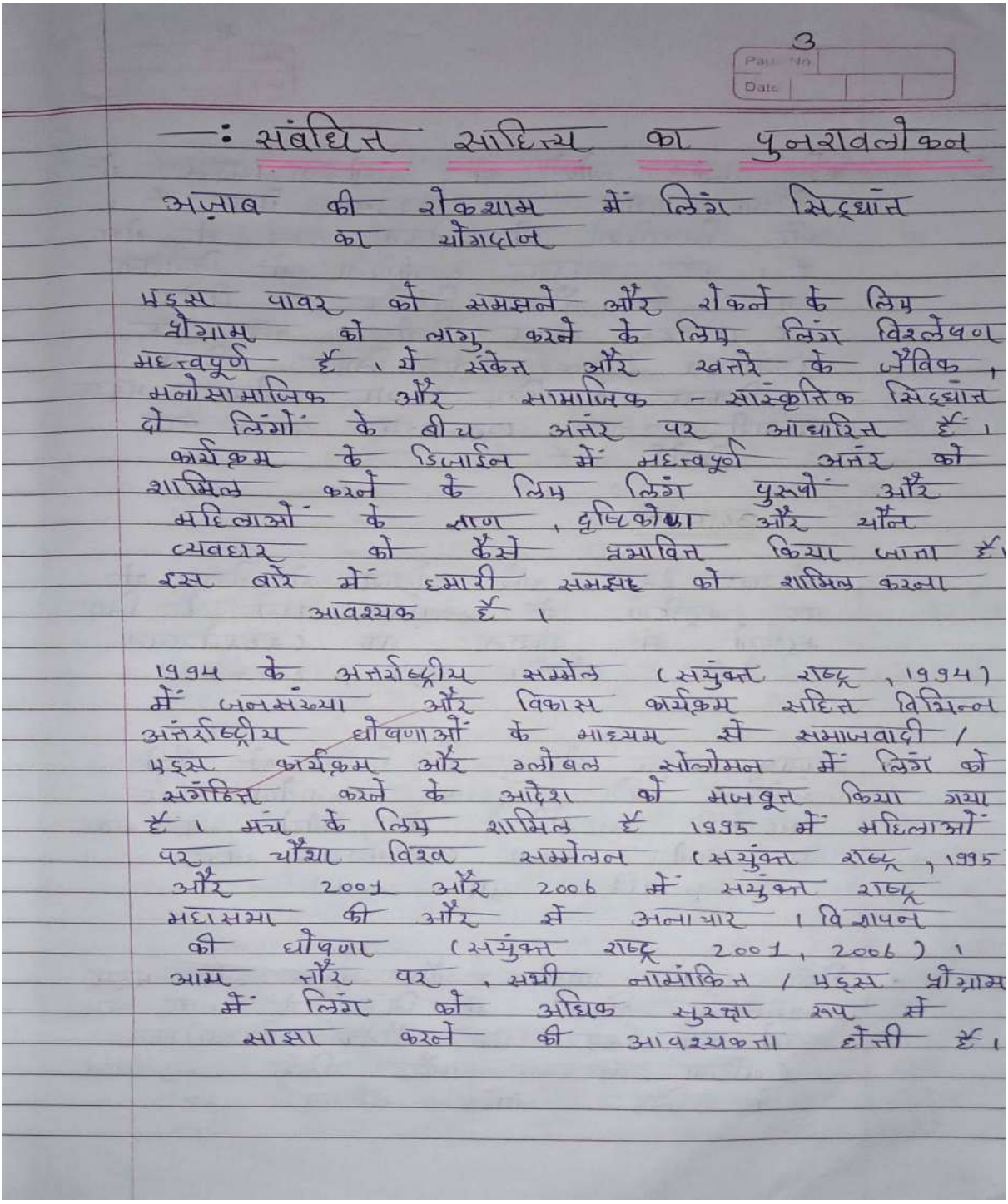

: संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन

अज़ाब की रोकथाम में लिंग सिद्धांत का योगदान

एड्स पावर को समझने और रोकने के लिए प्रोग्राम को लागु करने के लिए लिंग विश्लेषण महत्त्वपूर्ण है। ये संकेत और खतरे के जैविक, मनोसामाजिक और सामाजिक - सांस्कृतिक सिद्धांत दो लिंगों के बीच अंतर पर आधारित हैं। कार्यक्रम के डिजाईन में महत्त्वपूर्ण अंतर को शामिल करने के लिए लिंग पुरुषों और महिलाओं के ज्ञान, दृष्टिकोण और यौन व्यवहार को कैसे प्रभावित किया जाता है। इस बारे में हमारी समझ को शामिल करना आवश्यक है।

1994 के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेल (संयुक्त राष्ट्र, 1994) में जनसंख्या और विकास कार्यक्रम सहित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय घोषणाओं के माध्यम से समाजवादी / एड्स कार्यक्रम और ग्लोबल सोलोमन में लिंग को संगठित करने के आदेश को मजबूत किया गया है। मंच के लिए शामिल है 1995 में महिलाओं पर चौथा विश्व सम्मेलन (संयुक्त राष्ट्र, 1995 और 2001 और 2006 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की और से अनाचार। विज्ञापन की घोषणा (संयुक्त राष्ट्र 2001, 2006)। आम तौर पर, सभी नामांकित / एड्स प्रोग्राम में लिंग को अधिक सुरक्षा रूप से साझा करने की आवश्यकता होती है।

Project Copy

कई अज्ञात लोगों ने अनोमजा एड्स में लैंगिक प्रभाव का विश्लेषण किया है। और सिफारिशों को विकृत करने से रोका है। कुछ उदाहरण नामीबिया में विशेषज्ञ समूह बैठक बैठक विंडहोक की रिपोर्ट (युनाइटेड नेशन डिवीजन फॉक एंड युमनडीमस, 2000 के लिए महिला विकास के लिए) या ग्लोबल एड्स महामारी 2013 (यूएनएड्स, 2013) पर रिपोर्ट है।

<u>उदाहरण</u>

- जनरेशन हेल्थ और प्रोग्राम में लिंग को एक स्टूडियो में संशोधित करने के लिए स्टूडियो से एकशन तक (इंटरनेशनल जेन्डर वर्कशॉप ग्रुप, 2003)

- अजाब एड्स प्रोग्राम में लिंग को कैसे संबोधित करे: यूएसए दस्तावेज और सहयोगी सहयोगियों से सीखे गए सबक का उपयोग करना (इंटरनेशनल जेंडर वर्किंग ग्रुप 2004)

- लिंग सुरक्षा प्राथमिक: यौन सुरक्षा और एड्स जागरूकता शिक्षा में लिंग के साथ काम करने के लिए एक लैंगिक निशानेबाज (महिला अध्ययन और लिंग अनुसंधान के लिए नॉर्डिक संस्थान, 2003

Project Copy

- मिश्रित - सेक्स सहायता में लिखे अधिक प्रतिष्ठित वर्गीकरण में प्रकाशित किया गया है।

हम प्रत्येक प्रोफेसर के लिए " व्यक्तिगत प्रकाशन पोर्टर कहते हैं, और हम जैविक विज्ञान शैक्षणिक स्थिति, शैक्षणिक अनुशासन, प्रतिष्ठित जर्नल प्रतिष्ठा के संबंध में प्रभाव की जांच करते हैं। और असमान - लिंग सहायता अनुपात संख्या का प्रकार। लिंग समलैंगिकता सिद्धांत (मुख्य रूप से एक ही लिंग के आधार पर प्रकाशन) पुरुष लिंग पर लागु होता है। लेकिन महिलाओं पर नहीं। अधिकांश पुरुष वैज्ञानिक केवल पुरुषों के साथ सहयोग करते हैं। इसके विपरित, अधिकांश महिलाओं के साथ बिल्कुल भी सहयोग नहीं करती हैं। अध्ययन किए गए सभी आयु समुहों में सभी महिलाओं का सहयोग शामिल है। जबकि सभी पुरुषों का सहयोग व्यापक है। रिसर्च - धन में लिंग समरूपता महिलाओं की तुलना में पुरुषों के लिए अधिक मजबूत साबित हुई।

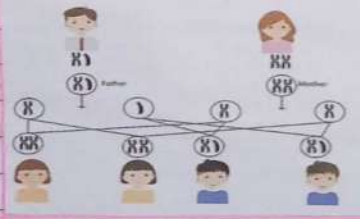

Project Copy

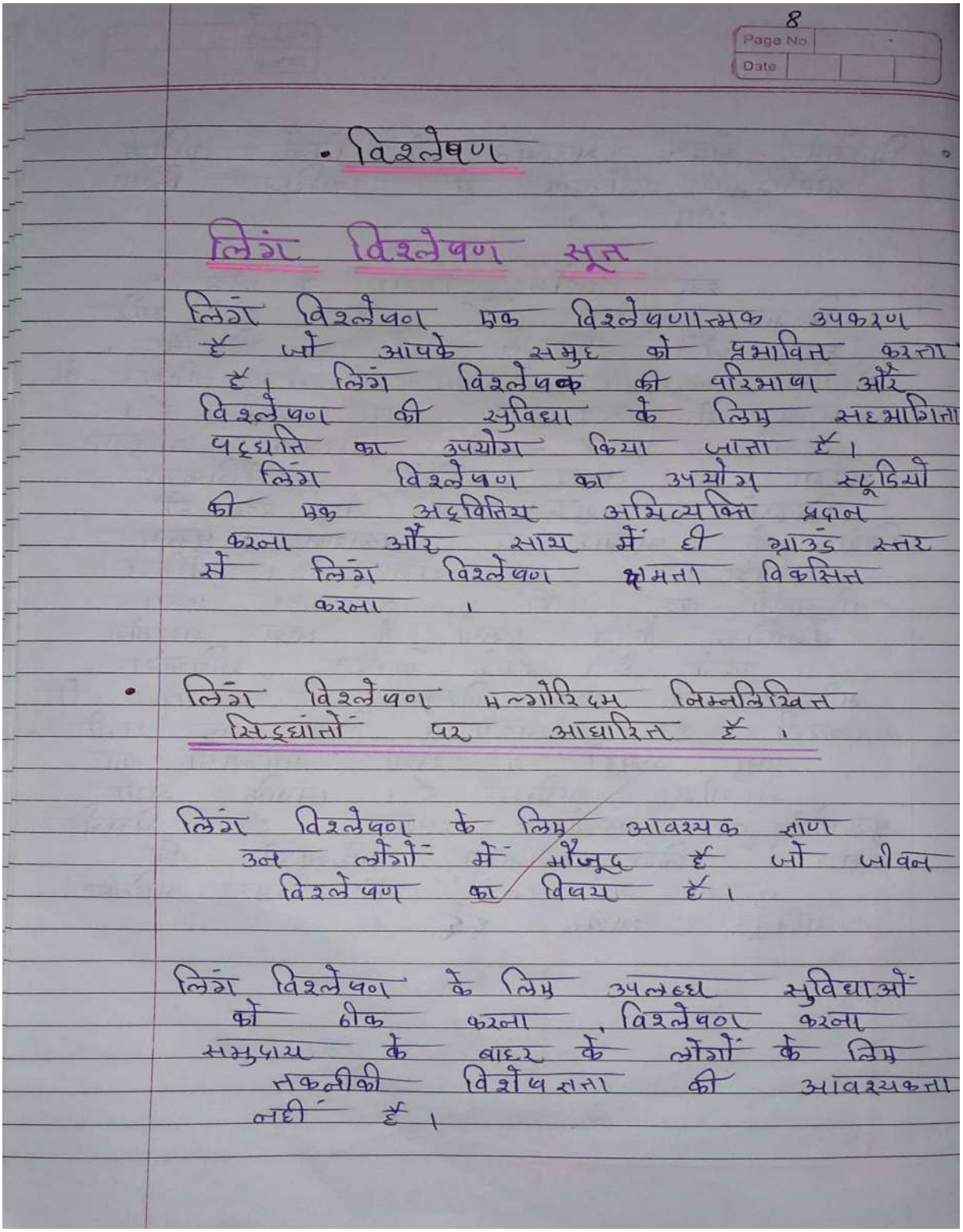

8

Page No.
Date

• विश्लेषण

लिंग विश्लेषण सूत्र

लिंग विश्लेषण एक विश्लेषणात्मक उपकरण है जो आपके समूह को प्रभावित करता है। लिंग विश्लेषक की परिभाषा और विश्लेषण की सुविधा के लिए सहभागिता पद्धति का उपयोग किया जाता है।

लिंग विश्लेषण का उपयोग स्टूडियो को एक अद्वितीय अभिव्यक्ति प्रदान करना और साथ में ही ग्राउंड स्तर से लिंग विश्लेषण क्षमता विकसित करना।

• लिंग विश्लेषण एल्गोरिदम निम्नलिखित सिद्धांतों पर आधारित है।

लिंग विश्लेषण के लिए आवश्यक ज्ञान उन लोगों में मौजूद है जो जीवन विश्लेषण का विषय है।

लिंग विश्लेषण के लिए उपलब्ध सुविधाओं को ठीक करना, विश्लेषण करना समुदाय के बाहर के लोगों के लिए तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं है।

Project Copy

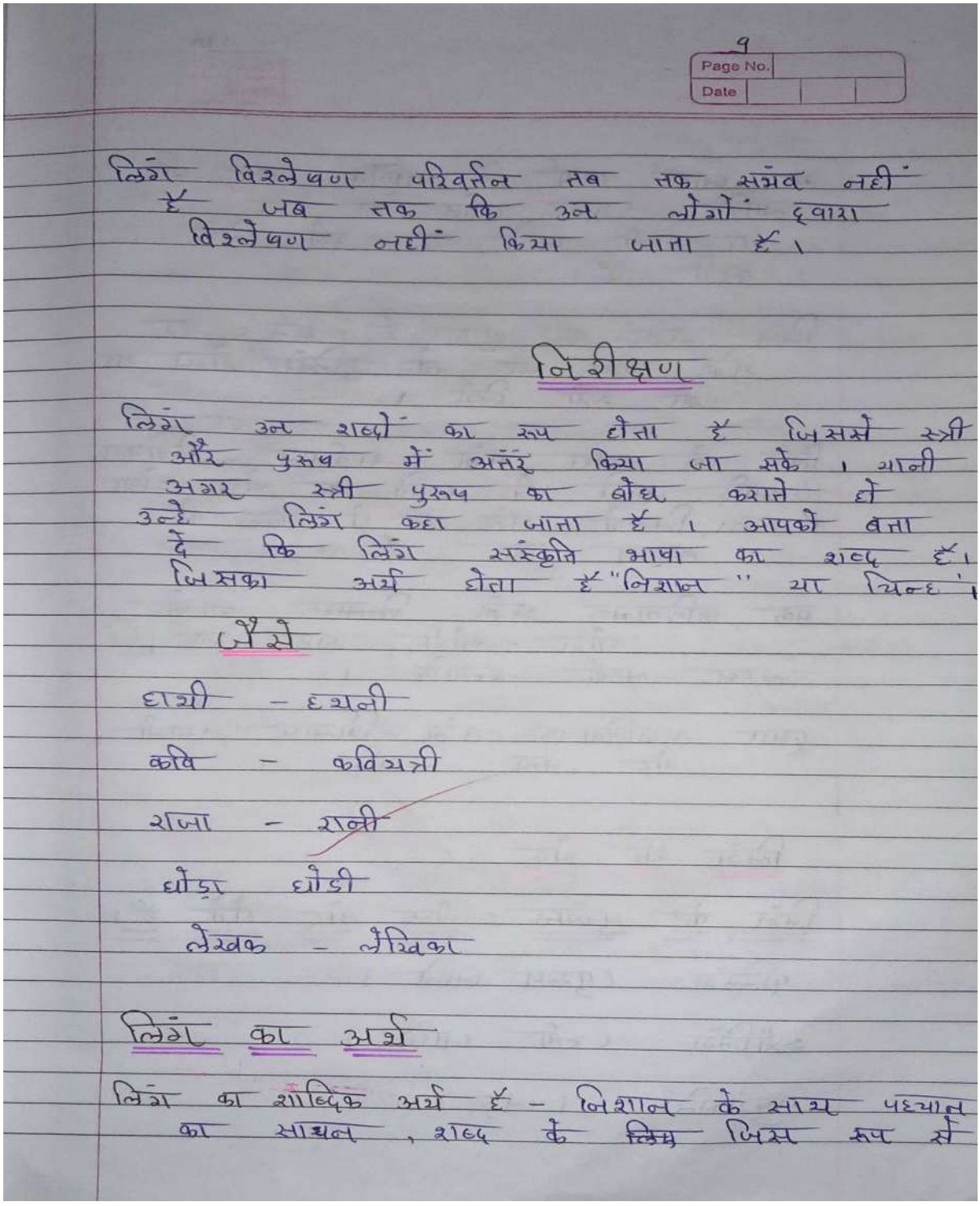

9

Page No.
Date

लिंग विश्लेषण परिवर्तन तब तक संभव नहीं है जब तक कि उन लोगों द्वारा विश्लेषण नहीं किया जाता है।

निरीक्षण

लिंग उन शब्दों का रूप होता है जिससे स्त्री और पुरुष में अंतर किया जा सके। यानी अगर स्त्री पुरुष का बोध कराते हो उन्हें लिंग कहा जाता है। आपको बता दे कि लिंग संस्कृति भाषा का शब्द है। जिसका अर्थ होता है "निशान" या चिन्ह।

जैसे

दादी - दादा

कवि - कवियत्री

राजा - रानी

घोड़ा घोड़ी

लेखक - लेखिका

लिंग का अर्थ

लिंग का शाब्दिक अर्थ है - निशान के साथ पहचान का साधन, शब्द के लिंग जिस रूप से

Project Copy

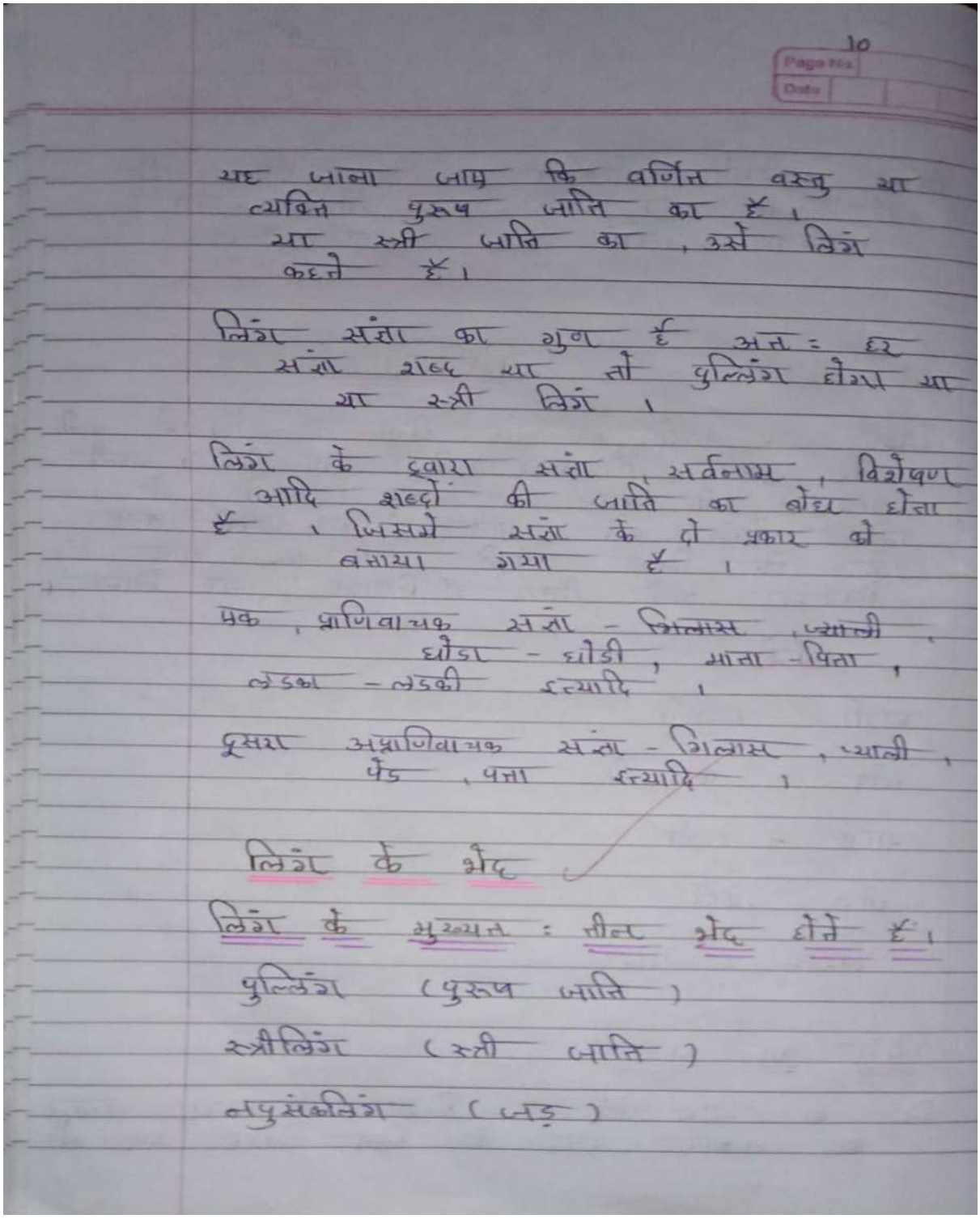

10

यह जाना जाय कि वर्णित वस्तु या व्यक्ति पुरुष जाति का है, या स्त्री जाति का, उसे लिंग कहते हैं।

लिंग संज्ञा का गुण है अर्थात: हर संज्ञा शब्द या तो पुल्लिंग होगा या या स्त्री लिंग।

लिंग के द्वारा संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि शब्दों की जाति का बोध होता है, जिसमें संज्ञा के दो प्रकार को बनाया गया है।

एक, प्राणिवाचक संज्ञा - ~~गिलास, प्याली~~, घोड़ा - घोड़ी, माता - पिता, लड़का - लड़की इत्यादि।

दूसरा अप्राणिवाचक संज्ञा - गिलास, प्याली, पेड़, पत्ता इत्यादि।

लिंग के भेद

लिंग के मुख्यत: तीन भेद होते हैं।

पुल्लिंग (पुरुष जाति)

स्त्रीलिंग (स्त्री जाति)

नपुंसकलिंग (जड़)

Project Copy

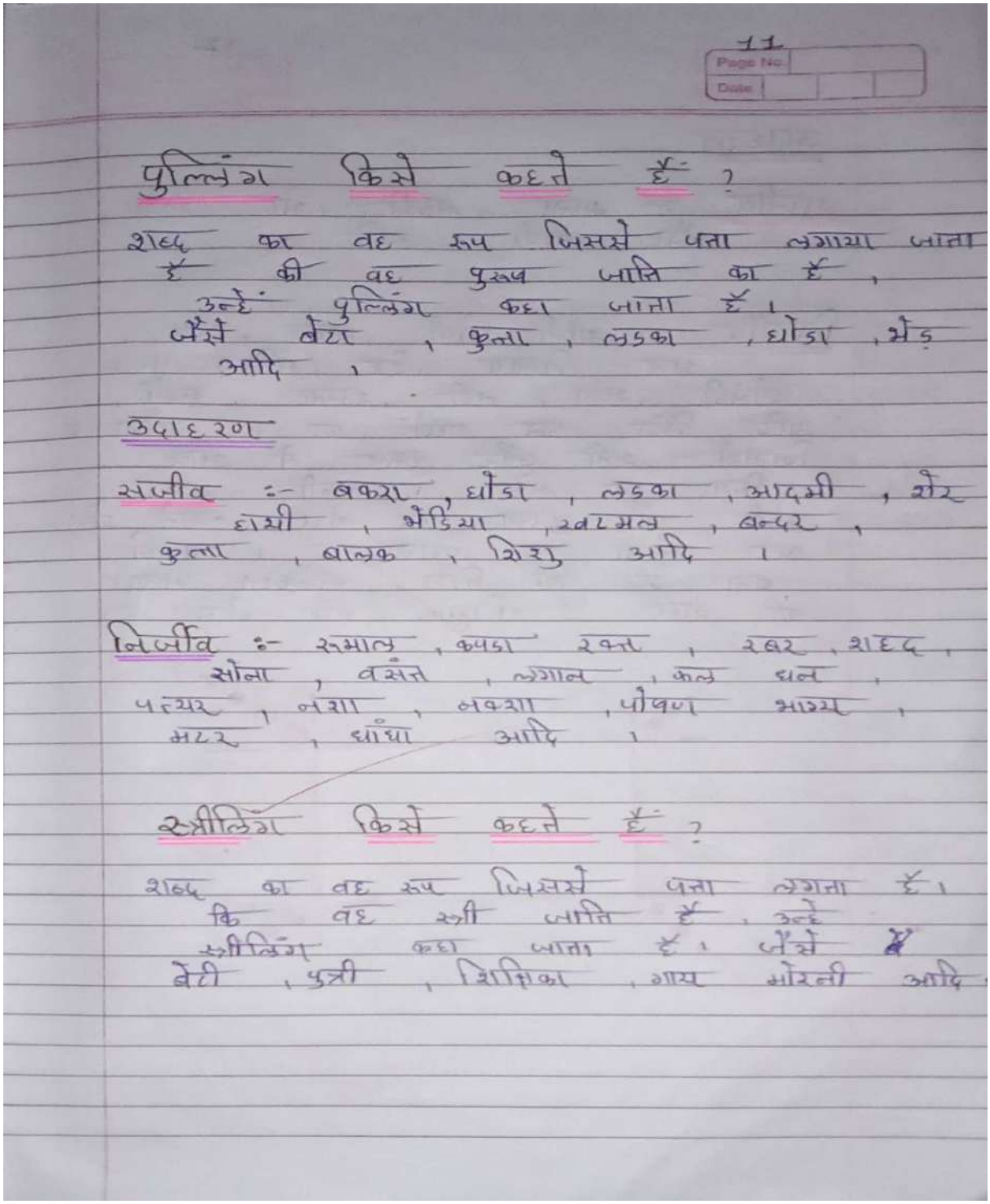

पुल्लिंग किसे कहते हैं ?

शब्द का वह रूप जिससे पता लगाया जाता है की वह पुरुष जाति का है, उन्हें पुल्लिंग कहा जाता है।
जैसे बेटा, कुत्ता, लड़का, घोड़ा, भेड़ आदि।

उदाहरण

सजीव :- बकरा, घोड़ा, लड़का, आदमी, शेर हाथी, भेड़िया, खटमल, बन्दर, कुत्ता, बालक, शिशु आदि।

निर्जीव :- रुमाल, कपड़ा, रक्त, रबर, शहद, सोना, वसंत, लगान, कल धन, पत्थर, नशा, नक्शा, पोषण भाग्य, मटर, धागा आदि।

स्त्रीलिंग किसे कहते हैं ?

शब्द का वह रूप जिससे पता लगता है। कि वह स्त्री जाति है, उन्हें स्त्रीलिंग कहा जाता है। जैसे बेटी, पुत्री, शिक्षिका, गाय मोरनी आदि।

Project Copy

उदाहरण

सजीव :- माता, लड़की, भेद, गाय, भैंस, बकरी आदि।

निर्जीव :- धोती, टोपी, सजा, भीड़, छत, किताब, ईंट, मंजिल, पर्वत, झोंपड़ी, गंगा, नदी, शाखा, कुर्सी, आदि

लिंग उन शब्दों का रूप होता है जिससे स्त्री और पुरुष में अंतर किया जा सके। यानी अगर स्त्री और पुरुष का बोध कराते हों उन्हें लिंग कहा जाता है। आपको बता दें कि लिंग संस्कृत भाषा का शब्द है। जिसका अर्थ होता है।

Project Copy

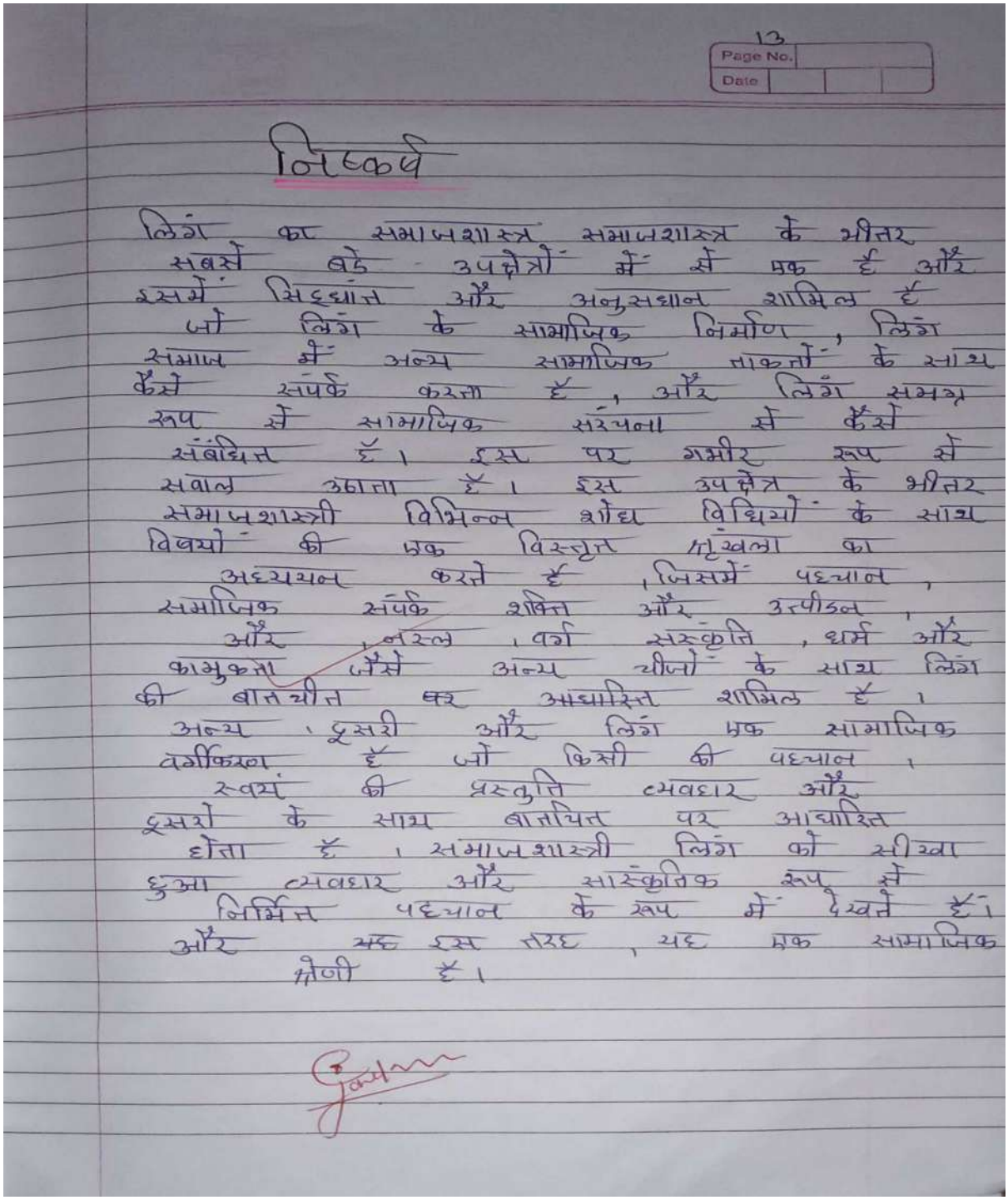

13
Page No.
Date

निष्कर्ष

लिंग का समाजशास्त्र समाजशास्त्र के भीतर सबसे बड़े उपक्षेत्रों में से एक है और इसमें सिद्धांत और अनुसंधान शामिल हैं जो लिंग के सामाजिक निर्माण, लिंग समाज में अन्य सामाजिक ताकतों के साथ कैसे संपर्क करता है, और लिंग समग्र रूप से सामाजिक संरचना से कैसे संबंधित है। इस पर गंभीर रूप से सवाल उठाता है। इस उपक्षेत्र के भीतर समाजशास्त्री विभिन्न शोध विधियों के साथ विषयों की एक विस्तृत शृंखला का अध्ययन करते हैं, जिसमें पहचान, सामाजिक संपर्क शक्ति और उत्पीड़न, और नस्ल, वर्ग संस्कृति, धर्म और कामुकता जैसे अन्य चीजों के साथ लिंग की बातचीत पर आधारित शामिल हैं। अन्य दूसरी ओर लिंग एक सामाजिक वर्गीकरण है जो किसी की पहचान, स्वयं की प्रस्तुति व्यवहार और दूसरों के साथ बातचीत पर आधारित होता है। समाजशास्त्री लिंग को सीखा हुआ व्यवहार और सांस्कृतिक रूप से निर्मित पहचान के रूप में देखते हैं। और यह इस तरह, यह एक सामाजिक श्रेणी है।